# आज का पुरुषार्थ, 22 May 2022

**From**: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

**धारणा** – *" भगवान से सम्बन्ध जोड़े .. वह हमारा माँ-बाप है .. हमारा साथी है .. खुदा दोस्त है वो .. तो मुझे कैसा डर "*

बाबा हमें सुख भरा जीवन दिया है। हम **परमात्म प्यार** को पाकर निहाल हो गये है। **ईश्वरीय सुखों** से तृप्त हो गये है। जन्म जन्म हम भौतिक सुख प्राप्त किए। लेकिन अब ईश्वरीय सुख पाकर भौतिक सुखों की ओर से लगाव समाप्त होता जाता है।

आईये हम सभी ईश्वरीय सुखों से अपनी झोली भरे। भगवान **सुख** बाँट रहा है, **भाग्य** बाँट रहा है। और हमें इन सुखों से इतना भरपूर करना है ताकि हम दृष्टि देकर ही दुसरों को सुखी कर सके। उनके दुःखों का निवारण कर सके।

तो इसके लिए ध्यान दे, हमारे चित परेशानियों में न रहता हो। मन पर कोई बोझ न छाया हुआ हो। विशेष रूप से जिस बात  की हम बार-बार याद दिलाते है।

किसी को अपने प्रियोजनों की अकालेमृत्यु देखनी पड़ी है। किसी को सभी छोड़कर चले गए है। Past के कारण कई आत्मायें वर्तमान ईश्वरीय सुखों से भी वंचित हो जाती है।

नहीं ...। अब समझदार बने। अब अपनी **विवेक को जागृत करे**। जो बीत गया वह अब नहीं आयेगा। और यह बात बार-बार याद करके अपने चित को शान्त करो।

" *जो कुछ मेरे साथ हुआ उसके जिम्मेदार मेरे कर्म ही है*" ... लेकिन इससे बहुत परेशान भी न हो जाये कि ... " *मैंने इतने पाप क्यों किये?*"

वह समय ऐसा था। किसी ने ग़लत संग में जाकर पाप किये। किसी ने तन्त्र-मन्त्र के द्वारा दुसरों को परेशान किया। किसी ने दुसरों को धोखा दिया। किसी ने अपने व्यवहार से दुसरों को disturb किया, दुसरों की खुशी छीन ली। उनके तनाव को बढ़ा दिया।

मन पर कोई बोझ भी नहीं रखना है। वर्तमान का बोझ भी नहीं। **यह बात बहुत अच्छी तरह पक्के कर दे ...**

*" इस समय हमारा खुदा दोस्त सर्वशक्तिमान हमें निरंतर मदद करने को तैयार है .. हमें साथ दे रहा है "*

हम यह याद करे बार-बार ...

**" स्वयं भगवान हमारा साथी है .. सर्वशक्तिमान हमारे सिर के ऊपर छत्रछाया है "**

इससे अनेक बोझ समाप्त हो जायेंगे।

लेकिन जब हम उलझनों में अनेक उलझ जाते है तो बाबा के साथ को भी भूल जाते है। तो उनके मदद से भी वंचित हो जाते है।

इसलिए इस बात पर विशेष ध्यान दे : **स्वयं भगवान हमें मदद कर रहे है**

और बुद्धिमान वही है जो उनकी मदद का फायदा उठाये।

जैसे लौकिक माँ-बाप अपने बच्चों को निरंतर मदद करते है, लेकिन बच्चों को इसका आभास बहुत कम रहता है। माँ-बाप बच्चों के लिए सर्वस्व

बलिहार कर देते है। लेकिन बच्चे इस बात को realise नहीं करते। और वह माँ-बाप से सदा शिकायत ही करते रहते है कि उन्होंने कुछ नहीं किया।

वैसे ही हमारे माता-पिता हमें **निरंतर मदद करते है।** हमें वरदान देते है, समस्याओं पर उसका हल touch कराता है। उसे **समाधान** करने का बल भी देते है। स्वयं उपस्थित हो जाते है।

आज सारा दिन यही अभ्यास करेंगे ...

**" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. स्वयं भगवान मेरा साथी है .. वो मेरा ख़ुदा दोस्त है "**

उससे बातें करेंगे, उसे अपने साथ रखेंगे और अनुभव करेंगे ... " वो हमारे सिर पर सदा ही छत्रछाया है "

।। ओम शान्ति ।।

**BK Google**: www.bkgoogle.org

**Website**: www.shivbabas.org